NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH



aglasem.com

Class : 8th
Subject : अर्थशास्त्र
Chapter : 4
Chapter Name : कानूनों की समझ

Q1 कानून का शासन पद से आप क्या समझते है?अपने शब्दों में लिखिए।अपना जवाब देते हुए कानून के उल्लंघन का कोई वास्तविक या काल्पनिक उदहारण दीजिये।

Answer.

- कानून का शासन हमे यह सिखाता है कि कानून की नज़र में सभी व्यक्ति एक बराबर हैं।
- कानून का शासन का मतलब है कि सभी कानून देश के सभी नागरिकों पर सामान्य रूप से लागू होते हैं।
- इसके तहत कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है चाहे वो सरकारी अधिकारी हो या कोई धनाशेत।
- यहाँ तक की राष्ट्रपति भी कानून से ऊपर नहीं हैं।
- हर अपराध की या कानून के उल्लंघन की एक सजा निर्धारित है और उसे सजा तक पहुचने की एक निर्धारित प्रक्रिया है ।
- जिसमे अपराधी का अपराध साबित होता है।
- कानून के उल्लंघन के कुछ उदहारण नीचे दिए गए है:
- i.ट्रैफिक सिग्नल पर लाल बत्ती होने पर भी गाड़ी न रोकना कानून का उल्लंघन है।
- ii.बिना हेलमेट के गाडी चलाना कानून का उल्लंघन है।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

Q2 इतिहास इस दावे को गलत ठहराता है कि भारत में कानून का शासन अंग्रेज़ो ने शुरू किया था।इसके कारणों में से दो कारण बताइये।
Answer.
भारत में कानून अंग्रेज़ो ने शुरू किया था इस दावे को इतिहास गलत ठहराता है क्योंकि

- भारत में क़ानूनी मामलो के विकास में भारतीय राष्ट्रवादियो ने एक अहम भूमिका निभायी थी।
- औपनिवेशिक कानून मनमानेपन पर आधारित था,1870 का राजद्रोह एक्ट अंग्रेज़ो के मनमाने शासन की मिसाल था।
- इसके तहत अगर कोई भी व्यक्ति ब्रिटिश सरकार की आलोचना या विरोध करता था तो उसपर बिना मुकदमा चलाये ही गिरफ्तार किया जा सकता था।
- भारतीय राष्ट्रवादी अंग्रेज़ो द्वारा सत्ता के इस मनमाने इस्तेमाल का विरोध और आलोचना करते थे।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

Q3 घरेलु हिंसा पर नया कानून किस तरह बना,महिला संगठनो ने इस प्रक्रिया में अलग-अलग तरीके से क्या भूमिका निभाई उसे अपने शब्दों में लिखिए।

Answer.

aglasem.com

- बहुत समय के बाद घरेलु हिंसा से परेशान होकर कुछ महिलाओं ने महिला संगठन के दफ्तर में इसके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।
- दिन प्रति दिन घरेलु हिंसा की बढ़ती शिकायतों के कारण महिला संगठन को एक नए कानून की आवश्यकता महसूस हुई।
- सभी लोगो ने घरेलू हिंसा का मुद्दा विभिन्न मंचो पर उठाया।
- 1999 में वकील,कानून विद्यार्थी और समाज वैज्ञानिको के संगठन 'लॉयर्स कलेक्टिव' ने इस विषय पर राष्ट्रव्यापी चर्चा की और घरेलु हिंसा विधेयक का मसौदा तैयार किया।
- इस विधयक को बहुत सारे लोगो को पढ़ाया गया और 2002 में इससे संसद में पेश किया गया।
- कुछ महिला समूह ने इस विधयक का विरोध भी किया क्योंकि इसमें उनके सुझाई हुई एक भी बात नहीं थी।
- एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें सभी लोगो ने ऑनलाइन अपनी याचिकाएं भेजी।
- इसे ऑनलाइन लिया गया था ताकी सभी लोग तुरंत अपनी राय दे सके।
- इसके बाद महिला संगठनो ने स्थानीय संसद को अपने सुझाव सौप दिए और संसद ने उन्हें राज्यसभा में सौप दिया।
- इन् शिफरिशो को लोकसभा में भी पेश किया गया।
- कमिटी की रिपोर्ट ने महिला संगठनो की बहुत सी मांगे स्वीकार कर ली गयी थी।
- 2005 में एक नया विधयक संसद के सामने पेश किया गया था और दोनों सदनों की मंजूरी के बाद इससे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा गया।
- 2006 से घरेलु हिसा के खिलाफ कानून लागु हो गया था।
- इस प्रकार से कानून की आवश्यकता महसूस करना,विधयक बनवाना,उसे अपने सुझाव देकर बेहतर बनाना जैसे अलग-अलग काम को महिला संगठनो ने करके इस कानून के लागू होने में उन्होंने एक अहम् भूमिका निभायी है।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

Q4 अपने शब्दों में लिखिए की इस अद्याय में आये निम्नलिखित वाक्यो से आप क्या समझते है; अपनी बातों को मनवाने के लिए उन्होंने संघर्ष शुरू कर दिया।यह समानता का संघर्ष था।उनके लिए कानून का मतलब ऐसे नियम नहीं थे जिनका पालन करना मज़बूरी हो।वे कानून को इससे अलग ऐसी व्यवस्ता के रूप में देखना चाहते थे जो न्याय के विचार पर आधारित हो।

Answer.

- भारत राष्ट्रवादी अंग्रेज़ो के मनमाने कानून से सहमत नहीं थे इसीलिए गलत कानून को सहने के बजाए उन्होंने अपनी मांगे उनके सामने रखी और अपनी मांगे मनवाने के लिए उन्होंने संघर्ष किया।
- वे चाहते थे की सभी लोगो को कानून की नज़र में एक समझ जाये।
- वे सभी लोगो में बराबरी चाहते थे।
- सही कानून वो नियम होते है जो हर व्यक्ति को न्याय दे और उनकी मुश्किलो को कम करके उनका जीवन सरल बनाये।
- ऐसा कानून जो न्याय देने के बजाए लोगो की स्वतंत्रता छीन ले वे ऐसा कानून नहीं चाहते थे।
- यदि कानून से सबका न्याय होगा तो किसी को भी उसे मज़बूरी से पालन नहीं करना पड़ेगा।

- इन वाक्यो से हमे सही कानून क्या होता है यह समझाया है और अगर कोई ऐसा कानून हो जो निर्दोष को तकलीफ पहुचाये या किसी भी तरह का भेद भाव उत्पन करे तो हमे उसका विरोध करने मे संकोच नहीं करना चाहिए।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

aglasem.com